Annexure-2.

His Holiness Shri Gurudev Swami Shri Shivanand Ji Maharaj, the founder /president of Matri Sadan, will start 'TAPASYA' IN THE FORM OF CONTINOUS FAST

FROM 6 AUGUST 2012

WITH FOLLOWING DEMANDS:

Demnads	Responsible Authority.
1- The Hon'ble Apex Court without seeing the facts passed an ex parte order in absentia of Matri Sadan and State Government. Please make us aware of the way to achieve justice.	His Lordship the Chief Justice of Hon'ble Apex Court.
2- The then Specail J M (CBI), Shri Yogendra Kumar Sagar, made to sit CBI advocate beside him in his chamber in our presence in the Hon'ble Court, but is yet to be suspended. To suspend him forth with.	His Lordship the Chief Justice of Hon'ble Apex Court and the Hon'ble Chief Justice of Uttarakhand High Court.
3- In a meeting with CBI Director on 09-01-2012 he assured us to constitute an inclusive medical board and to do the reinvestigation up to our satisfaction. But he did not fulfill his assurance. To make him fulfill his assurance. 4- The SP of Dehradun CBI Branch Shri Nilabh Kishore and DSP Shri V.Dixit acted as contractor of culprit to protect them and put their all might to protect the culprits. Therefore to suspend them forthwith and set up an inquiry against them.	The Director, Central Bureau of Investigation (CBI), New Delhi.
5 To increase Kumbh Mela Area as much as twice of present as has been recommended in Kumbh Mela Administrative reports -2010 in para-5 and 6 on page no. 163.	The Hon'ble Chief Minister of Uttarakhand.

||असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माऽमृतं गमय ||

Let Ganga flow freely

दिनांक- 30/07/2012

सेवा में,
श्री ऐ. पी. सिंह जी,
निदेशक, केंद्रीय जांच ब्यूरो,
नॉर्थ ब्लाक,
नई दिल्ली-110001

विषय: दिवंगत स्वामी निगमानंद जी के प्रकरण की जांच के सम्बन्ध में आवश्यक भेंटवार्ता सम्बन्धी,

आदरणीय महोदय,

स्वामी निगमानंद गंगा के लिए समर्पित भाव से अनशन करते हुए, षड्यंत्र का शिकार हुए, जिस प्रकरण की जांच में तमाम अनियमितता एवं विसंगतियों को देखते हुए हमारी ओर से आपके कार्यालय को संपर्क कर आपसे मिलने का समय माँगा था। जिसके क्रम में विगत 9 जनवरी को आपसे आपके नॉर्थ ब्लाक स्थित कार्यालय पर भेंट हुई थी, हरिद्वार मातृ सदन से स्वामी निगमानंद जी के गुरु स्वामी शिवानंद जी सहित उनके गुरु भाई व आश्रम से सम्बंधित जन भी उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे।

आपसे भेंट कर आपने स्वामी निगमानंद जी को उपचार हेतु ले जाते समय का वीडियो फुटेज तथा कुछ सम्बंधित दस्तावेज देखे, तथा तत्काल देहरादून सम्बंधित अधिकारी को फोन कर निर्देशित भी किया, आपने स्वयं इस बात पर हमे ठोस रूप से आश्वस्त किया कि जांच सी.बी.आई. की किसी दूसरी ब्रांच के ईमानदार अधिकारी से कराई जायेगी, तथा वृहद मेडिकल बोर्ड दोबारा से गठित होगा जिसकी गतिविधि में पूर्ण पारदर्शिता होगी। आपके इस आश्वासन से न केवल न्याय में हमारा विश्वास मजबूत हुआ अपितु हमारी दृष्टि में आपका सम्मान और भी बढ़ गया।

अब न्यायपूर्ण व निष्पक्ष जांच के प्रति हम लोग आश्वश्त हुए, तथा इस हेतु आवश्यक कागजी औपचारिकताओं की प्रतीक्षा करने लगे, आपके कार्यालय से भी दूरभाष पर बराबर संपर्क में रहे, यद्यपि जिस तरह से आपने हमे आश्वश्त किया था उस प्रकार से विलम्ब का तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता, लेकिन देहरादून ब्रांच के अधिकारी तकनीकी व कानूनी औपचारिकताओं का हवाला देकर इसमें कुछ विलम्ब बताते रहे जिसमे हम धैर्य के साथ उनके साथ बने रहे। देहरादून ब्रांच के वरिष्ठ अधिकारी श्री नीलाभ किशोर जी से मातृ सदन के स्वामी दयानंद जी की भेंट के समय मै भी देहरादून कार्यालय में उपस्थित था, जिसमे आपके निर्देश को स्वीकारते हुए श्री किशोर जी ने कहा कि "आपको इसके कानूनी पहलु की पूरी जानकारी नहीं थी, क्योंकि अब क्लोसर रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल हो गयी है, इसलिए कोर्ट में केस आने पर इसे दूसरी ब्रांच को रेफर कराने की आपकी दलील को हम स्वीकार कर लेंगे, और तब यह आसानी से हो जाएगा"।

इस तरह यह मामला लंबित होता रहा, कोर्ट में केस आने पर तो सी.बी.आई. देहरादून किसी और ही रूप में पेश आई, यह विषय पूरी तरह लंबित कर कानूनी तौर से समझौते में डाल दिया गया। आज भी देहरादून अधिकारियों के अखबारों में छपे बयान आश्चर्यजनक हैं, इस प्रकार आपका दृढ आश्वाशन पूर्णतः खोखला साबित करवा दिया गया, इसका लाभ लेकर उच्च-न्यायालय द्वारा प्रतिबंधित गंगा में खनन व क्रसिंग जैसी प्रदूषण कारी गतिविधियों को पुनः शुरू करने की कवायद भी वहाँ के माफिया जनों द्वारा पुनः शुरू करी जा रही है।

Visit us at: www.gangaahvaan.org
Hemant -09711216415-hemant@gangaahvaan.org; Mallika -09891508404-mallika@gangaahvaan.org
Dr.Meeta -09414100744-meeta@gangaahvaan.org

बहुत बड़े आर्थिक व राजनीतिक वर्ग के निहित स्वार्थ दिवंगत आत्मा के बलिदान को कूटनीतिक व षड्यंत्रकारी गतिविधियों से धूमिल कर पुनः गंगा की कीमत पर अपने स्वार्थों की खेती करने पर आमादा हो चुके हैं, जिससे आहत निगमानंद जी के गुरु स्वामी शिवानंद जी को आगामी 6 अगस्त 2012 से अनशन पर बैठने को बाध्य होना पड़ रहा है।

आपके तत्क्षण एवं स्पष्ट आश्वासन ने न्याय के लिए आपकी प्रतिबद्धता हमारे समक्ष जाहिर कर दी थी, तो फिर आज यह स्थिति कैसे आ गयी? निगमानंद जी के बलिदान को न्याय दिलाने हमारे प्रयासों में कहाँ पर यह अड़चन आ रही है, न्याय हेतु आपके व हमारे प्रयासों की एकजुटता में यह असमंजस व विरोधाभास की स्थति कहाँ से पैदा हो गयी ? यह प्रश्न इस प्रकरण के साक्षी रहे हमारे ह्रदयों को झकझोर रहा है,

हम समझते है कि इसका स्पष्टीकरण आवश्यक है, इसी हेतु एक बार पुनः आपसे मिलना अति आवश्यक हो गया है, पूर्ण आशा व अपेक्षा के साथ प्रतिउत्तर की प्रतीक्षा में-

निवेदक- 30/07/2012

हेमंत ध्यानी
"गंगा आह्वान"
255, ताप्ती,
जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय
नई दिल्ली-67
संपर्क- 09711216415
Kashi.hemant@gmail.com